



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 01 सितम्बर, 2026

जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: (i) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी तटीय ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने 'वेल मार्कड लो-प्रेसर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के असर से, 1 सितंबर को ओडिशा, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 1 और 2 सितंबर को छत्तीसगढ़ में, 1 से 4 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में और 3 से 5 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 1 सितंबर 2026 को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

(ii) अगले एक हफ्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 01 सितम्बर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश (20 cm से ज्यादा) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा और झारखंड में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ कल गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी तटीय ओडिशा और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना 'वेल मार्कड लो प्रेशर' (काफ़ी स्पष्ट कम दबाव का क्षेत्र) आज, 1 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी तटीय ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है। इसके अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर ओडिशा और झारखंड से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तर पर, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) से उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक एक ट्रफ बनी हुई है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर, दक्षिण गुजरात से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक एक ट्रफ बनी हुई है।
- ❖ उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू डिवीज़न के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में बना 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) अभी भी बना हुआ है और अब समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊंचाई पर देखा जा रहा है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 1-2 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद; 1-5 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश; और 1-7 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-4 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; 3-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; और 1-2 सितंबर व 6-7 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3-7 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद; और 6-7 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-7 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान और पंजाब; 1-2 सितंबर और 5-7 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; 1-2 सितंबर और 6-7 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 3-5 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; और 3-7 सितंबर के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-7 सितंबर के दौरान उत्तराखंड; 2-3 सितंबर के दौरान पंजाब; 2-4 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; और 1-2 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1 सितंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद; 1-3 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश; 2-7 सितंबर के दौरान उत्तराखंड; 2-5 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब; 1-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 2 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश; और 4-5 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 1 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 1 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 6-7 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 1 सितंबर और 6-7 सितंबर को विदर्भ; और 5-7 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-7 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 1-5 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 2-5 सितंबर के दौरान विदर्भ; और 1-4 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-5 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश; और 2-4 सितंबर के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 और 6 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 5-7 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 2 और 4 सितंबर को विदर्भ; और 3 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 3-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 1-4 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 3 सितंबर को विदर्भ; और 1-2 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 1 से 7 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 1 से 3 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 1 से 2 सितंबर के दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4 से 7 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 3 से 7 सितंबर के दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 2 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में; और 1 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 3 से 7 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 1 से 2 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल

में; 1 से 5 सितंबर के दौरान झारखंड में; 1 से 6 सितंबर के दौरान बिहार में; और 3 से 5 सितंबर के दौरान ओडिशा में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 1 से 2 सितंबर और 4 से 5 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; 1 से 2 सितंबर के दौरान झारखंड में; और 2 से 4 सितंबर के दौरान बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 3 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 1 सितंबर को बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 सितंबर को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 1 से 7 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है; नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में 1 से 6 सितंबर के दौरान ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 7 सितंबर को नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 5 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; और 1 से 2 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1 से 4 सितंबर और 6 से 7 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 2 से 7 सितंबर के दौरान असम और मेघालय में; और 2 से 5 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 5 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में; और 1 सितंबर को असम व मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम व त्रिपुरा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 1 से 7 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 7 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 से 4 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में और 2 से 3 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 1 से 7 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; केरल और माहे में 1 सितंबर और 5 से 7 सितंबर के दौरान; लक्षद्वीप में 1 सितंबर और 4 से 7 सितंबर के दौरान बारिश हो सकती है।
- ❖ 2 से 4 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 2 से 3 सितंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 1 से 7 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी ज्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 5 सितंबर के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 1 से 2 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 1 से 3 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भी ऐसी हवाएं चल सकती हैं।
- ❖ 31 अगस्त को तटीय कर्नाटक में; 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तेलंगाना में ज़मीन के पास तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- ❖ 1 से 3 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 1 और 2 सितंबर को आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 1 से 5 सितंबर के दौरान रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, 4 सितंबर तक पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में और 2 सितंबर तक उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 4 से 6 सितंबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर से सटे सोमालिया के तटों के कुछ हिस्सों में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 4 सितंबर तक और अंडमान सागर में 3 सितंबर तक; 1 सितंबर को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों के पास और उनसे दूर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

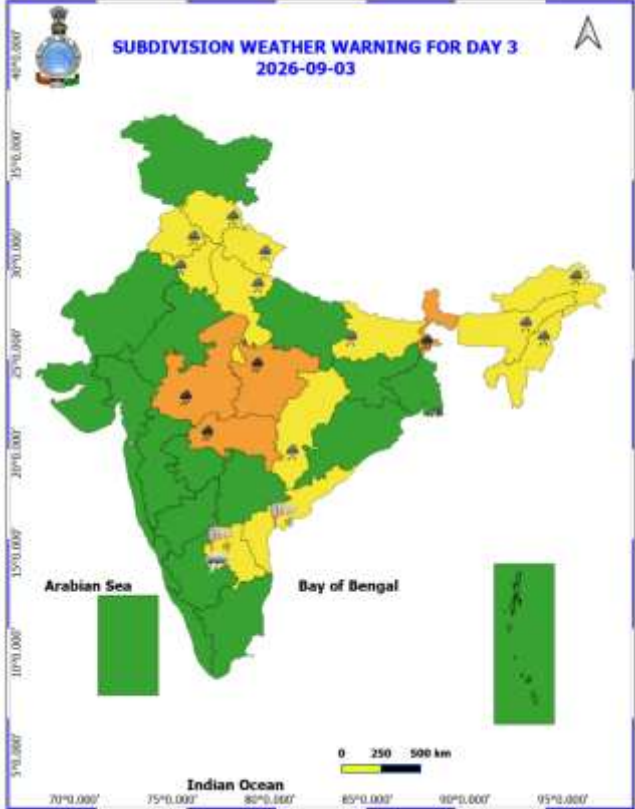
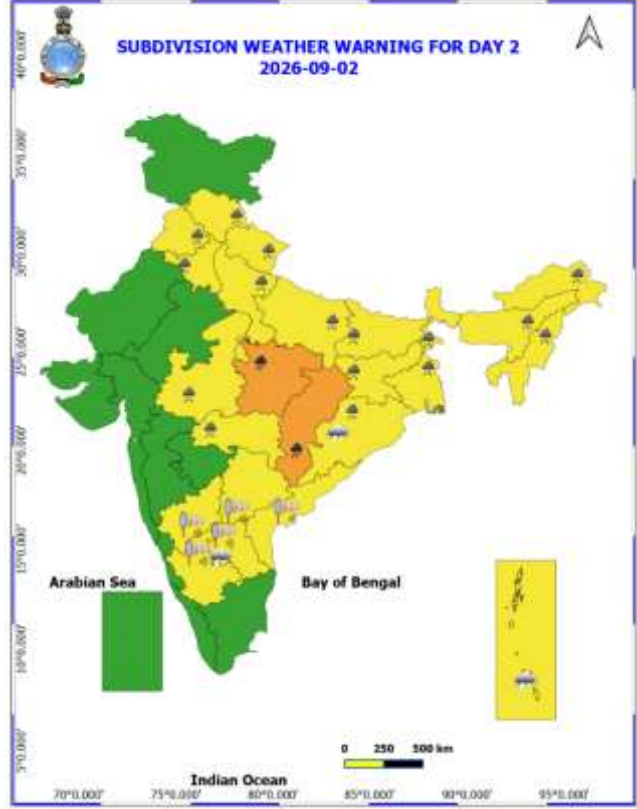
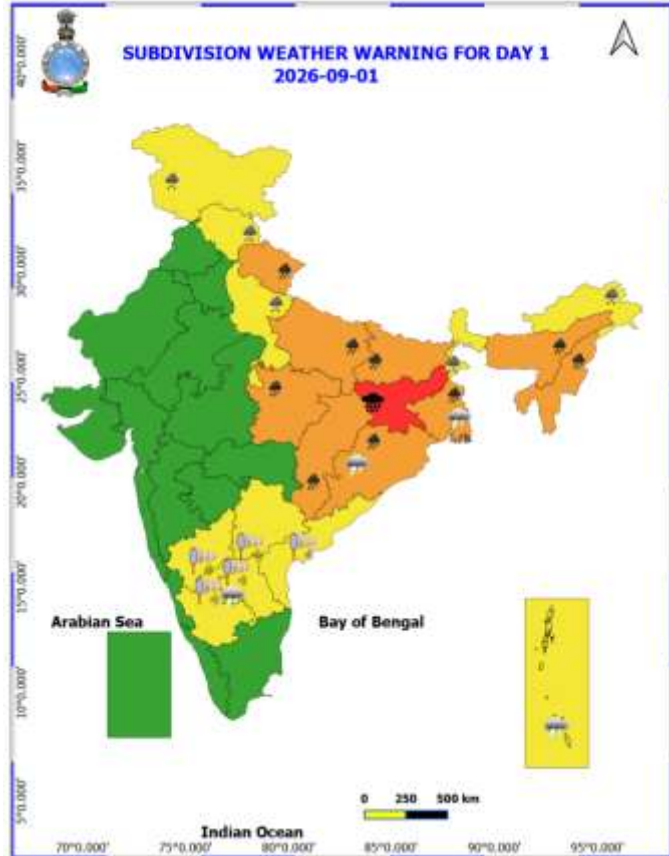
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

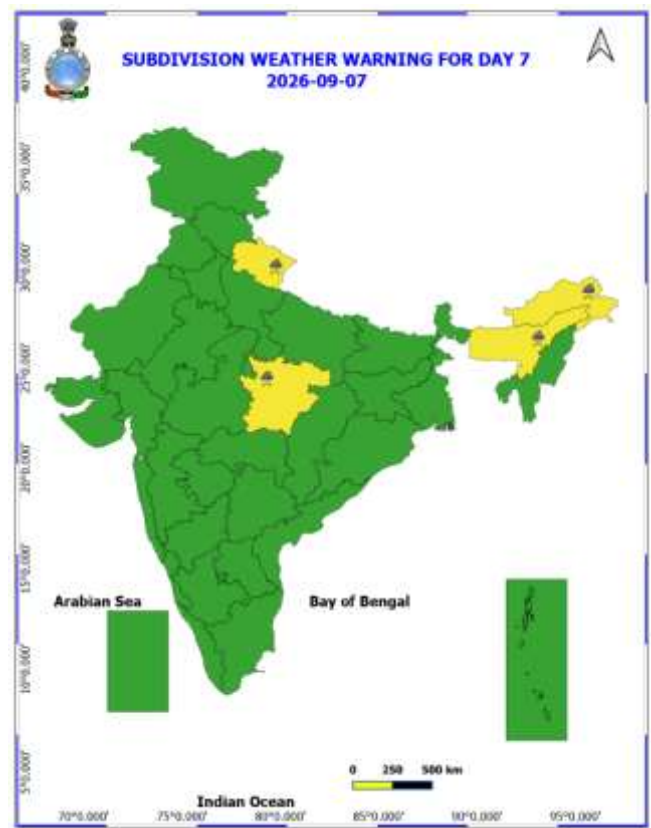
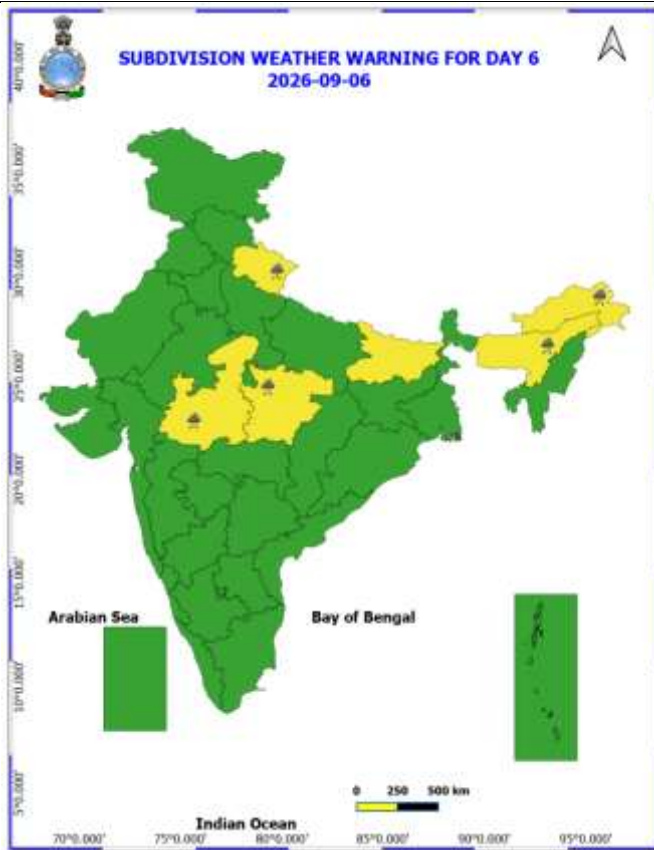
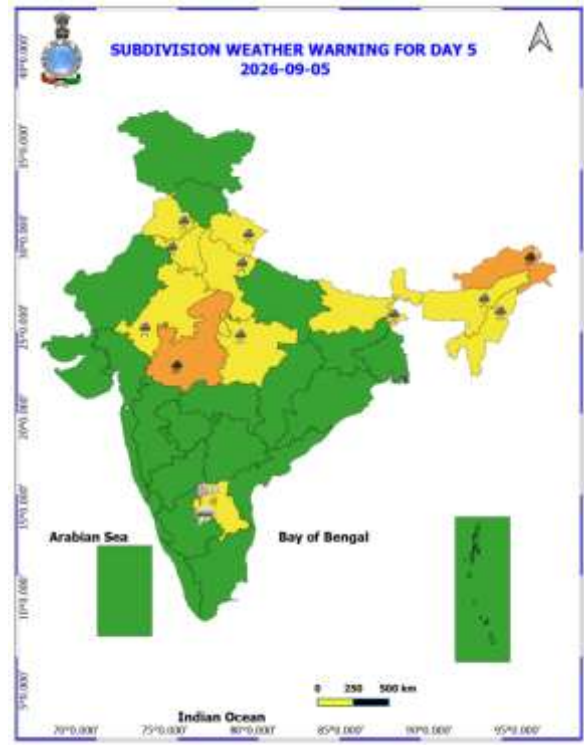
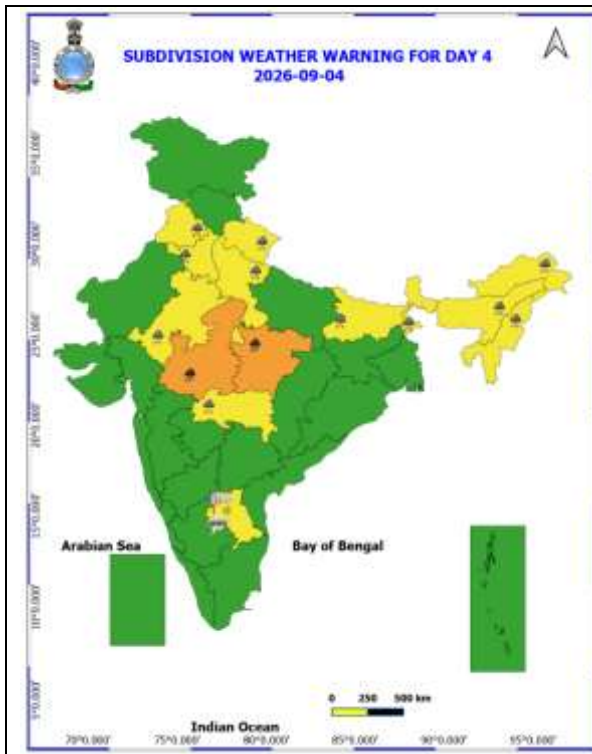
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: बांगिरीपोशी 31
- ❖ उत्तराखंड: हलद्वानी (एडब्ल्यूएस) 19, कालसी (एडब्ल्यूएस) 17, हरिपुर 16
- ❖ झारखंड: डुमरी 16
- ❖ छत्तीसगढ़: बलरामपुर 15
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: कुंडा (प्रतापगढ़) 15
- ❖ असम: घरमुरा 12
- ❖ त्रिपुरा: कदमतला अर्ग 12
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रामपुर बाघेलान (सतना) 12
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कलिम्पोंग 9
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: नवाबगंज (बरेली) 9
- ❖ बिहार: रफीगंज 11
- ❖ जम्मू-कश्मीर: कठुआ 7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कांगड़ा 10

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	1- Sep	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep	6- Sep	7- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WFS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	WFS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WFS	WFS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	WFS	WFS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	WFS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WFS	WFS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

01 से 04 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-35°C और न्यूनतम तापमान 24-28°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा रही। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

01.09.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और साथ में आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने और हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुँचने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

02.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

03.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि कई जगहों पर यह सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा; इसी तरह, दिल्ली में कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और कई जगहों पर सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और यह उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

04.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी रफ्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 1 सितंबर को झारखंड में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 सितंबर को ओडिशा, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है; छत्तीसगढ़ में 1 और 2 सितंबर को, पूर्वी मध्य प्रदेश में 1 से 4 सितंबर के दौरान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 3 से 5 सितंबर के दौरान भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, सब्जियों और नर्सरी बेड में पानी की निकासी का लगातार और असरदार इंतज़ाम करें और खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू रखें। निचले खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें। पानी भरे खेतों में मक्का और मूंग की बुवाई या दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें।
- ❖ झारखंड में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी का लगातार और असरदार इंतज़ाम करें और निचले खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें। भारी बारिश से सब्जियों के पौधों को बचाएं और काटी गई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी लगातार और असरदार ढंग से निकालने का इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। मक्का, अदरक और हल्दी के निचले खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें।

- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी और मुख्य खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और पानी जमा होने या बहने से रोकने के लिए खेतों की मेड़ों को मज़बूत करें। अमन धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ हिमालय के निचले इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, सब्जियों के खेतों, बागों और नर्सरी बेड में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें। भारी बारिश से सब्जियों के पौधों को बचाएं, कद्दू-वर्गीय फ़सलों (जैसे खीरा, लौकी) के आस-पास पानी की निकासी बेहतर करें और गीले मौसम में नाइट्रोजन का इस्तेमाल न करें।
- ❖ बिहार में, धान, मक्का, तिल, अरहर और दूसरी खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और लंबे समय तक पानी जमा न होने दें। बहुत ज़्यादा गीले खेतों में खेती के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम तब तक टाल दें जब तक हालात ठीक न हो जाएं।
- ❖ उत्तराखंड में, गन्ना, सोयाबीन, राजमा, मूंग, उड़द, दूसरी खड़ी फ़सलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का असरदार इंतज़ाम करें। पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें और लंबी फ़सलों व सब्जियों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, खड़ी फ़सलों वाले खेतों, खासकर पानी जमा होने की आशंका वाले निचले इलाकों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें। पानी से भरे खेतों में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, पानी जमा होने से रोकने के लिए सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। गीले मौसम में सब्जियों के पौधे दूसरी जगह लगाने (ट्रांसप्लांटिंग) से बचें, फलों के छोटे पौधों को सहारा दें और गन्ने की लंबी फ़सल को गिरने से बचाने के लिए सहारा (प्रॉपिंग) लगाएं। □ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियाँ और फलों के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और ज़्यादा पानी को तुरंत निकाल दें। बाजरा/रागी के खेतों में बालियाँ निकलने और फूल आने के समय पानी की निकासी अच्छी तरह से होने दें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों में लगातार और असरदार तरीके से पानी की निकासी सुनिश्चित करें और पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें। बारिश के दौरान खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ जूट की कटाई फ़सलों के छोटे रहने की अवस्था में ही कर लें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फ़सलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें और निकासी का सही इंतज़ाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पके हुए मक्के, अरबी (कोलोकेसिया) और अदरक की कटाई कर लें और बहुत ज़्यादा गीले होने पर खेतों में कोई काम न करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एगोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर रखें या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फ़सल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाली वाला निकास (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

02-09-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी मध्य प्रदेश: सिवनी, बालाघाट, मंडला, मऊगंज, मैहर, डिंडोरी, अनुपपुर, सीधी, सिंगरौली और रीवा जिले

पूर्वी उत्तर प्रदेश: सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, वाराणसी, प्रयागराज, जौनपुर, भदोही, चित्रकूट और कौशांबी जिले

छत्तीसगढ़: बलरामपुर, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, कोरबा, मुंगेली, गौरेला पेंड्रा मरवाही और कबीरधाम जिले

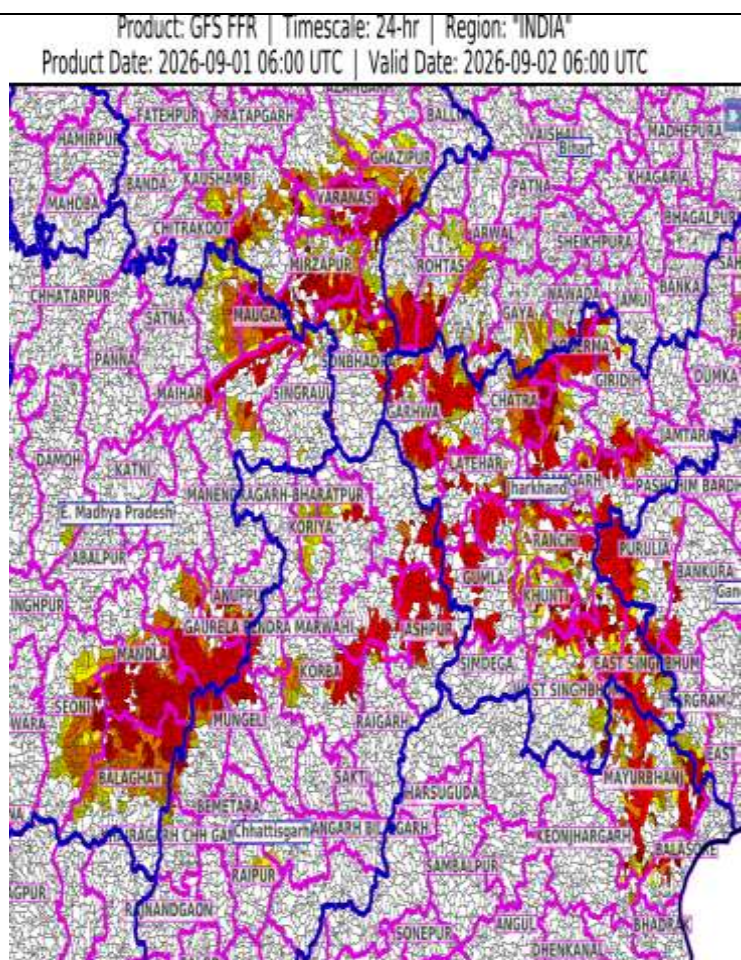
बिहार: भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा जिले

ओडिशा: मयूरभंज और बालासोर जिले

झारखंड: गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले

गांगेय पश्चिम बंगाल: पुरुलिया, बांकुरा और झाड़ग्राम जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

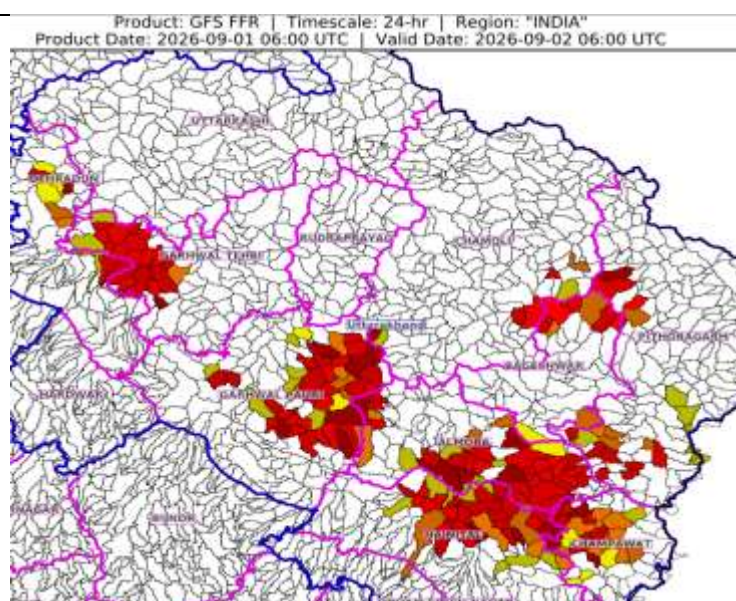


02-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

उत्तराखंड: देहरादून, गढ़वाल पौड़ी, गढ़वाल टिहरी, चमोली, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल और चंपावत जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, मैप में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।



02-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

असम और मेघालय:

असम: पश्चिम कार्बी आंगलॉंग, दिमा हसाओ, धुबरी, गोलपारा, कामरूप ग्रामीण, श्रीभूमि और कछार जिले

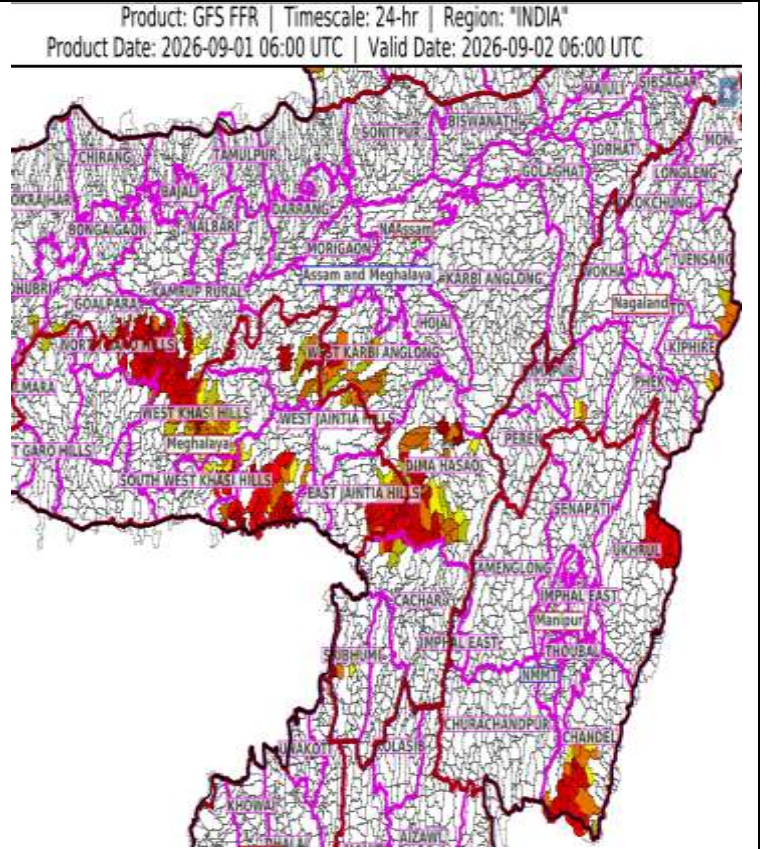
मेघालय: पूर्वी जयंतिया हिल्स, पश्चिम खासी हिल्स, पूर्वी खासी हिल्स, दक्षिण-पश्चिम खासी हिल्स, पूर्वी गारो हिल्स, उत्तरी गारो हिल्स और पश्चिम गारो हिल्स जिले

नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा (NMMT):

नागालैंड: किफायर और तुएनसांग जिले

मणिपुर: उखरुल और चंदेल जिले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए चिंता वाले क्षेत्रों (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।



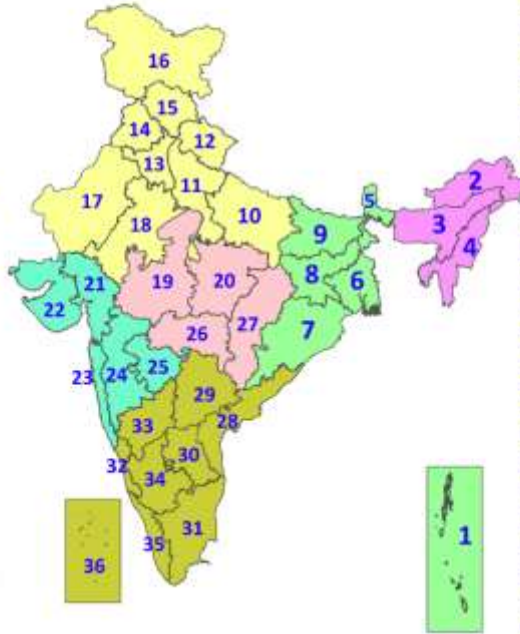
संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।

- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)